

जेईई विशेषज्ञ मितेश राठी ने दिए छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए टिप्स

भोपाल। जेईई(मेन) सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं का समय करीब आ चुका है। छात्र इस समय अक्सर पढ़ा हुआ भूल जाने की शिकायत करते हैं। 80 फीसदी छात्रों को लगता है कि उन्होंने जो भी पढ़ाई की है वो उन्हें एग्जाम हॉल में पेपर सॉल्व करते वक्त याद नहीं रहेगी। जेईई एक्सपर्ट मितेश राठी ने छात्रों को इन्हीं समस्याओं पर कई अहम टिप्स दिए हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों को लगता है कि वे भूल रहे हैं, जबकि ऐसा नहीं होता। एग्जाम हॉल में पेपर सॉल्व करते वक्त चीजें याद रहती हैं। यह सामान्य डर है और कई बार टॉपर भी इस परेशानी से जूझते हैं। अब नया पढ़ने का समय नहीं है। जितना पढ़ा है, उसका रिवीजन शुरू कर दें।



किसी खास तरह के टॉपिक से संबंधित सवाल हल करने में दिक्कत आती है, ऐसे टॉपिक को लिस्टिंग करें और उन्हें थोड़ा ज्यादा समय प्रैक्टिस करें। एक ही विषय पर पूरा समय न देते हुए हर दिन सभी विषय पढ़ें। पढ़ाई को घंटों में न बांधें, जब तक बिना थकावट पढ़ सकते हैं, पढ़ें। लेकिन हर 2 घंटे बाद ब्रेक लें, ताकि दिमागी थकावट न हो। एग्जाम को छात्र फोबिया न बनाएं। रूटीन एक्टिविटीज चलने दें, ताकि अतिरिक्त दबाव बच्चे पर न पड़े। रात को कम से कम आठ घंटे और दोपहर में आधा घंटा सो लें, ताकि दोबारा एनर्जी मिल सके।